RAJKIYA MAHILA SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA, GHAZIPUR UP

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाज़ीपुर Mentor-Mentee योजना के तहत आज दिनांक 17/11/218 को एक विशेष सत्र का आयोजन सावित्रीबाई फुले सभागार में आइक्यूएसी के द्वारा किया गया। यह काउंसलिंग सत्र विद्यार्थियों के सामाजिक समस्याओं से जुड़े हुए पहलू पर विमर्श के लिए आयोजित किया गया था। इस सत्र का प्रारंभ आइक्यूएएसी समन्वयक डॉ दीप्ति सिंह के द्वारा किया गया ।उन्होंने कहा कि भारत एक विकासशील देश है, जो अपनी गांवों के कारण विशेष पहचान रखता है, गाजीपुर ऐतिहासिक रूप से एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है लेकिन समाज में अनेक जटिलताओं के कारण हम अपेक्षित गति से विकास नहीं कर सके हैं। यह सत्र समाज में मौजूद ऐसे ही रूढ़ियों पर खुलकर विचार करने तथा आपके दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं पर विमर्श के लिए आयोजित किया गया है। इस सत्र का उद्देश्य आपको सामाजिक रूप से जागरूक बनाना तथा एक नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों और अधिकारों के प्रति सचेत करने के लिए किया गया है।

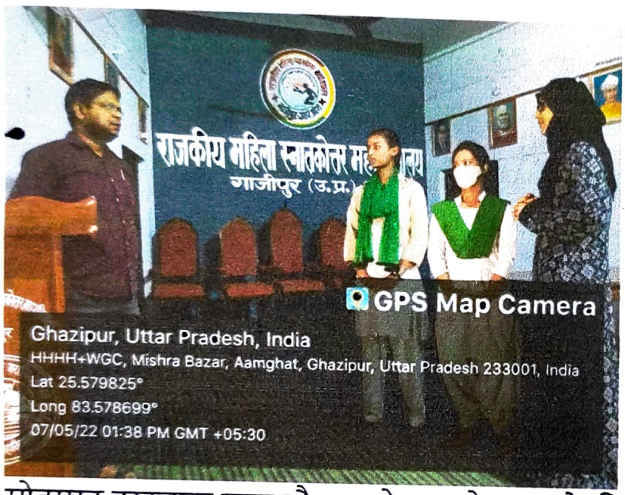

कार्यक्रम विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान हेतु समाजशास्त्र विभाग के आचार्य मोहम्मद इखलाक खान मौजूद रहे, आपने भारत के विविध सामाजिक पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ खान ने बताया कि भारत एक विविधता भरा देश है और यह विविधता देश के स्तर पर ही नहीं बल्कि छोटी इकाइयों में भी पर्याप्त रूप से दिखती है। गाजीपुर जनपद से उदाहरण देते हुए आपने कहा कि यहीं बिहार के सीमावर्ती जिलों की संस्कृति एवं मान्यता पश्चिमी जिलों आजमगढ़ और मऊ के से लगे क्षेत्रों से पूर्णतया अलग है। इसी तरह जिले की मिश्रित आबादी हिंदुओं और मुसलमानों से मिलकर बने हुए हैं लेकिन इसमें दुखद पहलू यह है कि दोनों ही समुदायों स्त्रियों का पर्याप्त सशक्तिकरण नहीं हो सका है। इसके कारणों की पड़ताल करते हुए आपने बताया कि शिक्षा वह सबसे महत्वपूर्ण कारक है जिसके द्वारा यह सामाजिक बदलाव लाया जा सकता है अतः शिक्षित होना सिर्फ हमारा अधिकार ही नहीं बल्कि एक पुनीत कर्तव्य है ।शिक्षा के द्वारा ही हम अपने आसपास के परिवेश में सकारात्मक रूप से बदलाव ला सकते हैं।

आपने आगे जोड़ा कि समाज में अनेक कुरीतियां व्याप्त हैं इन कुरीतियों के उन्मूलन के लिए हमें जागरूक और सचेत होकर प्रयास करना होगा । यदि आपके परिवार या आसपास भ्रूण हत्या, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा जैसी घटनाएं घट रही हैं तो आपको चुप नहीं रहना चाहिए, इसके लिए आपको कदम आगे बढ़ाना चाहिए ताकि हम ऐसे समस्याओं को जड़ से मिटा सकें।

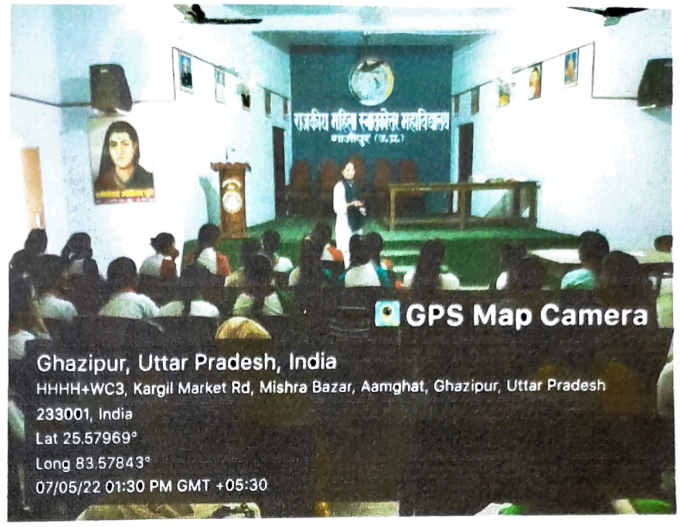

इस दौरान छात्राओं ने यातायात के दौरान एवं सार्वजनिक जगहों पर होने वाली समस्याओं पर खुलकर अपना पक्ष रखा जिसका समाधान मोहम्मद अखलाक खान द्वारा सुझाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर सत्येंद्र सिंह, दिवाकर मिश्रा, अकबर ए आज़म, डॉक्टर विकास सिंह आदि प्राध्यापक गण एवं 150 से अधिक छात्राएं उपस्थित रहीं।

Chairman
Internal Quality Assurance Cell
Rajkiya Mahila P.G. College
Ghazipur (U.P.)